मैथिली प्रवेशिका
मैथिली भाषा प्रवेशिका
MAITHILI PRIMER

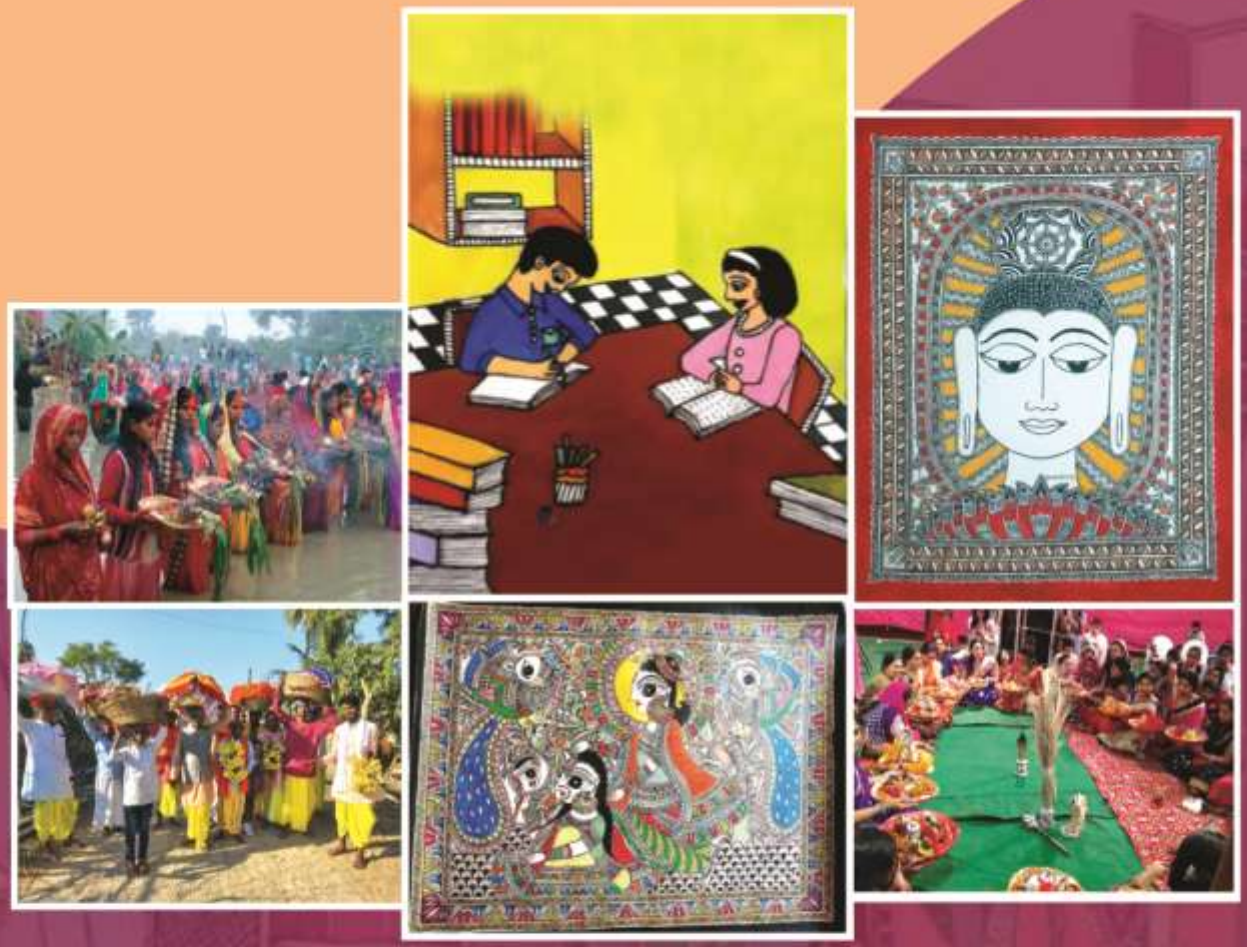

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

मैथिली प्रवेशिका

मैथिली भाषा प्रवेशिका

MAITHILI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

मैथिली प्रवेशिका

मैथिली भाषा प्रवेशिका

MAITHILI PRIMER

A basal reader of Maithili alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programs through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-971106-5-8

First Edition: November, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Nandakumar L
Cover Photo: Alpana Jha

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/ घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

नवंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

भारत एकटा बहुभाषिक देश रहल अछि, जतय अनेक भाषा/मातृभाषा बाजल जाइत अछि। ई देशक एकटा महत्वपूर्ण विशेषता अछि कि हम अपन दैनिक व्यवहारमे कतोक भाषाक प्रयोग करैत छी जे हमरा एक संग जोड़ैत अछि आ एकजुट रखैत अछि। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 मे एहि बात पर अत्यधिक बल देल गेल अछि जे भारतक बहुभाषिक प्रकृति एकटा बहुत पैघ संपत्ति थिक जकर देशक सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक आ शैक्षणिक विकास लेल कुशलतापूर्वक उपयोग करबाक आवश्यकता अछि। ई शिक्षामे हरेक स्तर पर बहुभाषावाद कैँ बढ़ावा देबाक अनुशंसा करैत अछि जाहि सँ विद्यार्थी कैँ अपन भाषामे अधययन करबाक अवसर भेटि सकय। सभ भारतीय भाषामे शिक्षण-अधिगम सामग्रीक सृजन सँ एहि बहुभाषिक संपदामे वृद्धि होयत आ एहि सँ विकसित भारतक निर्माणमे योगदान भ' सकत। एनईपी 2020 केर अनुशंसाक अनुरूप, प्रारंभिक कक्षाक

प्रवेशिकाक विकास लेल एकटा व्यापक आ समावेशी दृष्टिकोणक जरूरति अछि जे भारतक प्रत्येक क्षेत्रक विशिष्ट भाषाई आ सांस्कृतिक विशेषताक अनुरूप हो। एहि प्रवेशिकाक उद्देश्य प्रारंभिक कक्षाक छात्र कैं पढ़बा आ लिखबामे प्रवीणता प्रदान करब आ ओकर रचनात्मकता आ आलोचनात्मक सोच कैं बढ़ावा देब अछि। ई कोनो भाषाक प्रतीक आ ओकर वर्णमालाक अक्षरक बोध, अभिज्ञान आ उच्चारणक कुंजी थिक। ई प्रवेशिका बच्चा कैं एहि अक्षर सभक एक वा एक सँ अधिक समुच्चयक अर्थ बुझबैमे सहायक होइत अछि जे ओकर संयोजन, जेना शब्दमे ओहि अक्षरक आरंभिक, माध्यमिक वा अंतःस्थ स्थिति सँ बनैत छैक। एकर अतिरिक्त, ई बादमे बताओल गेल अक्षरक लेखनक अभ्यास कैं सुगम बनैबा लेल उदाहरण प्रस्तुत करैत अछि। ई शिशुगीत/छंद/तुकांत वाक्य बच्चाक भाषा आ ओकर संज्ञानात्मक कौशलक विकासमे सेहो सहायक सिद्ध होयत।

नवंबर 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Maithili Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Coordinators

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, MysuruResource Persons

Resource Persons

Dhananjay Kumar Acharya, Assistant Professor, Department of Sanskrit, University of Delhi, New Delhi
Abha Jha, PGT, Gargi Sarvodaya Girls School, Green Park, New Delhi
Amit Kumar Mishra, Assistant Teacher, Government Middle School, Kariyan, Samastipur, Bihar
Shantanu Kumar, Junior Resource Person, Linguistic Data Consortium for Indian Languages (LDC-IL), CIIL, Mysuru

Hindi Reviewer

Ankita Tiwari, Hindi Resource Person, LDC-IL, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

कोना पढ़ाओल जाय मैथिली भाषा प्रवेशिका?

मैथिली भाषा बिहारक एकटा पैघ भू-भागमे बाजल जाइत अछि। संगहिं नेपालक किछु क्षेत्रमे सेहो मैथिली भाषी लोक सभ निवास करैत छथि। भारतमे मैथिली मुख्य रूप सँ झारखंड आ बिहारक दरभंगा, सहरसा, समस्तीपुर, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सीतामढी, बेगुसराय, मुंगेर, खगड़िया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, शिवहर, भागलपुर, मधेपुरा, अररिया, सुपौल, वैशाली आदि जिलामे बाजल जाइत अछि। संथाल परगनाक किछु जिला जेना- गोड्डा, देवघर आदि जिलामे सेहो मैथिली भाषी लोक रहैत छथि। वर्ष 2011 केर जनगणनाक अनुसार मैथिली भाषी लोकक संख्या 13063042 अछि । एहि तरहेँ बिहारक प्रायः 12.6 प्रतिशत लोक मैथिली बजैत छथि।

मैथिली भारोपीय भाषा परिवार सँ संबंधित अछि। एकर अपन स्वतंत्र लिपि अछि, मुदा आइ काल्हि देवनागरीमे मैथिली लिखबाक प्रचलन भए गेल अछि। ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आदि एहि भाषामे रचना केनिहार प्रारंभिक लेखक मानल जाइत छथि। मैथिली भाषाक साहित्य एवं संस्कृति अत्यंत प्राचीन आ समृद्ध अछि।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आ बुनियादी स्तरक राष्ट्रीय पाठ्यक्रमक रूपरेखा 2022 केर अंतर्गत तीन सँ आठ बरखक बच्चा कैँ ओकर मातृभाषा/घरक भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषामे शिक्षा देबाक व्यवस्था कएल गेल छै।

भारतक ग्रामीण इलाकामे बच्चा सभ कक्षामे प्रचलित शिक्षा-दान-प्रणाली बूझि नहि पबैत छथि। ई विद्यालयक शिक्षा व्यवस्था कैँ प्रभावित करैछ। एहि कारण सँ केंद्र सरकार तीन सँ आठ वर्ष धरिक बच्चा कैँ बाल वाटिका एवं पहिला आ दोसरा कक्षाक बच्चा कैँ आद्य-प्राथमिक स्तर पर मौलिक साक्षरता प्रदान करबाक व्यवस्था कएलक अछि।

एहिमे स्थानीय गीत आ कविताक माध्यम सँ बच्चाक मौखिक भाषाक विकास पर ध्यान देल गेल अछि। ई काज प्रवेशिकामे कविता आ चित्रक माध्यम सँ कएल जा रहल अछि। संगहिं बच्चा कैँ ध्वनि परिचय, वर्ण परिचय आ लेखनक अभ्यास लेल सेहो भाषा प्रवेशिकाक प्रयोग कएल जा रहल अछि।

बाल वाटिका स्तर सँ द्वितीय कक्षा धरिक बच्चा कैँ ओकर मातृभाषामे पढ़ेला सँ ओकर बौद्धिक विकासक संग सृजनशीलता एवं कल्पना शक्तिक विकास सेहो भए सकैछ। बच्चा अपन मातृभाषामे पढ़ब-लिखब सिखैत अछि। ओ धीरे-धीरे हिंदी भाषामे कोना पढ़ि-लिखि सकैत अछि, तकर सटीक पद्धति बुनियादी स्तरक राष्ट्रीय पाठ्यक्रमक रूपरेखा 2022 मे विस्तृत रूपसँ बताओल गेल अछि।

बच्चा सभ सँ पहिने पढ़ब-लिखब सिखैत अछि, तेँ हिंदी भाषाक वर्णमालाक पोथीमे बच्चाक मातृभाषा एवं विद्यालयक हिंदी भाषाक समस्त ध्वनि, वर्ण एवं मात्रा कैँ स्थान दैल गेल अछि। पोथीमे देल गेल शब्दक संग्रह बच्चाक संस्कृति एवं परिवेश सँ कएल गेल अछि।

बहुभाषी शिक्षाक मूल लक्ष्य बच्चा कैँ घरक भाषामे पढ़ायब-लिखायब शुरूह कए राज्यक भाषामे पढ़बा-लिखबाक दक्षता बढ़ायब अछि। मैथिली आ हिंदी भाषामे प्रस्तुत ई प्रवेशिका बिहार राज्यक शिक्षक आ छात्र लेल तैयार कएल गेल अछि। मौलिक साक्षरताक चारिटा प्रमुख चरण होइत छैक। पहिल चरणमे कविता, खिस्सा आ चित्रक माध्यम सँ बच्चाक बौद्धिक विकास कएल जाइत छैक। तकर बाद भाषा-शिक्षण लेल बच्चा कैँ वस्तुजातक संग शब्द सँ परिचित कराओल जाइत छैक आ शब्दमे व्यवस्थित अक्षर चिन्हाओल जाइत छैक। एहि पर्याय-क्रममे बच्चा अलग-अलग अक्षर कैँ चीन्हब सिखैत अछि। एहि तरहेँ बच्चा ध्वनि आ वर्णक बीचक संपर्क बुझैत अछि।भाषा प्रवेशिका कोना पढ़ल जाय, तकर मूल बिंदु निच्चां लिखल गेल अछि -

ध्वनि परिचय

बच्चा चित्र देखि ओहि वस्तुक नाम बाजत। शिक्षक पूछि सकैत छथि जे चित्रक नाम कोन ध्वनि सँ शुरूह होइत छैक? जेना मैथिली भाषाक शब्द 'अनरनेबा' देल छैक। बच्चा चित्र देखि कए चीन्हि जायत जे ई शब्द 'अ' ध्वनि सँ शुरूह होइत अछि।

वर्ण परिचय

शिक्षक पहिने बच्चा कैँ बुझौता कि 'अ' वर्ण केहन होइत छैक। फेर ओहि पोथीमे देल किछु शब्दमे 'अ' अक्षर वा वर्ण चिन्हबा लेल कहि सकैत छथि। बच्चा तीन-चारि शब्दमे सँ 'अ' अक्षर चीन्हि ओकर ध्वनिक उच्चारण करत आ लिखबाक अभ्यास करत।

पठन

बच्चा चित्र देखि अपन भाषामे शब्द बाजत। ओहि शब्द पर आंगुर चला ओ मैथिली शब्द 'अनरनेबा' पढ़त। एहि तरहेँ आन शब्द पढ़ि ओ 'अ' वर्ण चीन्हि जायत आ ओकर उच्चारण करत। आब बच्चा शिक्षक कैँ बता सकैत अछि जे 'अ' अक्षर शब्दक आरंभमे अबैत अछि, बीचमे किंवा अंतमे।

शिक्षक बोर्ड पर 'अनरनेबा' केर अतिरिक्त तीन-चारिटा आन शब्द सेहो लिखताह। फेर बच्चा कैँ एक-एक कए बजा क' शब्द पढ़बा लेल आ वर्ण चिन्हबा लेल कहथिन। जे कि ई सभ शब्द बच्चाक परिवेश सँ लेल गेल अछि, तेँ ओ प्रवेशिकामे चित्र देखि ओहि शब्द कैँ चीन्हि जायत आ सहजतापूर्वक बाजि सकत। शिक्षक कोनो एकटा शब्द लिखताह आ ओकर प्रत्येक वर्ण कैँ अलग-अलग पढ़बा लेल कहथिन। फेर वर्ण जोड़ि कए ओहि शब्द कैँ पढ़बा लेल कहथिन। एहि सँ बच्चा कैँ वर्ण परिचय, शब्द परिचय आ ध्वनिक परिचय भए जायत। एकटा बच्चा द्वारा पढ़बा काल आन बच्चा सभ ओकरा संगे ओहि शब्द कैँ दोहराओत। एकरा 'सामूहिक' पठन कहल जाइत छैक।

लेखन

पहिने शिक्षक बच्चा कैँ 'अनरनेबा' शब्दक 'अ' अक्षर कैँ लिखब सिखौता। एहि लेल कलम/पेंसिल कोना चलाओल जाइत छैक, इहो सिखौता। एकरा 'सहायक लेखन' कहल जाइत छैक। तकर बाद बच्चा प्रवेशिकामे देल गेल खाली स्थानमे 'अ' अक्षर स्वयं लिखत। एहि संपूर्ण पूरी प्रक्रियामे शिक्षक बच्चाक सहायता करताह।

बच्चाक मौखिक भाषाक विकास लेल प्रत्येक प्रविष्टिमे दू-तीन पांतिक कविता देल गेल अछि। एकरा पढ़ि तथा गाबि कए शिक्षक बच्चाक संग ओहि पर चर्चा करता। शिक्षक विद्यालयक पुस्तकालयमे उपलब्ध खिस्साक पोथी सँ खिस्सा सुनौता आ ओहि पर चर्चा करताह। ओ पहिला आ दोसरा कक्षाक बच्चा कैँ ओकर मातृभाषामे खिस्सा आ गीत सुनाता।

एहि प्रवेशिकामे जतेक शब्द देल गेल अछि ओ साक्षरताक नमूना मात्र अछि। बच्चा सभ सैकड़ों शब्द जनैत अछि। एहि कारण सँ एक वर्ण बला शब्द पुछला पर ओ अनेक शब्द सुना सकैत छथि। जेना, शिक्षक ई पुछता कि- 'अ' सँ शुरूह होमय बला किछु शब्द सुनाउ।

एहि तरहेँ बच्चा अपन मातृभाषाक माध्यमसँ हिंदी ध्वनि आ लिपि सेहो सीखि सकैत अछि।

अधोलिखित पाँति सभ कैं देखू आ देल गेल स्थानमे रेखांकन करबाक प्रयास करू :

ठाढ पाँति :

सुतल पाँति :

तिरछा पाँति 1 :

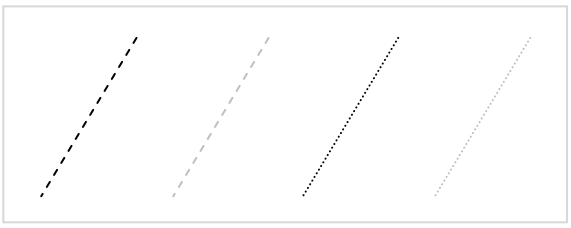

तिरछा पाँति 2 :

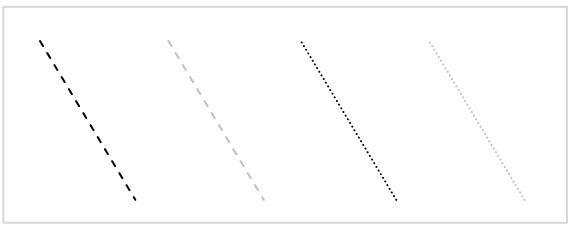

वक्र पाँति 1 :

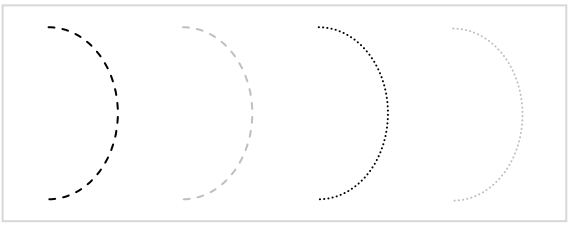

वक्र पाँति 2 :

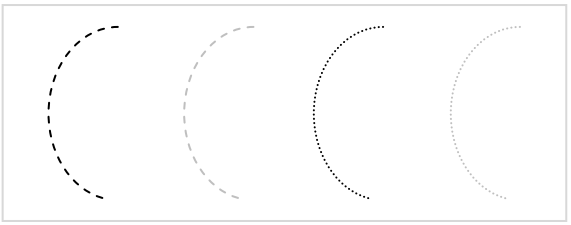

सूचना : देल गेल स्थानमे कलम वा पेंसिल कोना पकडल जायत आ रेखांकन कएल जायत ई शिक्षक कैं बतेबाक चाही।

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

अ

अनरनेबा

पपीता

पाकल अनरनेबा
तोड़ि क’ लाउ
बीया कैँ छाँटि क’
काटि क’ खाउ

अनरसा

अनरसा

अल्हुआ

शकरकंद

अमोट

अमावट

अ अ अ

आ

आङी

चोली

हमरा अङा
दीदी लेल आङी
आर किछु नहि
अहाँ सँ मांगी

आगि

आग

आद

अदरक

आबा

आंवां

आ आ आ

इ

इनार

कुआँ

‘इ’ सँ इनार, भरल छै इनार
ठंढा छै पानि, साबुन कैं आनि
बाल्टी डुबाउ, खूबे नहाउ
गर्मी कैं घरसँ, बाहर भगाउ

इजलास

न्यायालय

इमली

इमली

मिठाइ

मिठाई

इ इ इ

ई

ईक्षक

दर्शक

ईक्षक माने दर्शक जान
नाटक, नाच, कि हो किछु आन

ईंटा

ईंट

ईंगुर

सिंदूर

ईनाम

ईनाम

ई ई ई

उ

उड़ीस

खटमल

पहिने होइ छल बहुत उड़ीस
पीबि खून मेटबै छल रीस
खूब कटलकै बहुत बरीस
सभ मानवकेँ दै छल टीस

उख्खड़ि

ओखली

चाउर

चावल

छाउर

राख

उ उ उ

ऊ

ऊखियार

ईख

हमर खेत मे बड ऊखियार
एहिमे मिठका रसक धार
चढ़ि ऊंट पर जाउ बजार
लाउ ऊखियारक गूड़क भार

ऊक

हुक्का-पाती

ऊनि

ऊन

ऊंट

ऊँट

ऊ ऊ ऊ

ऋ

ऋषि

ऋषि

ऋषि-मुनि छथि लोक महान
सभटा ऋचाक हिनका ज्ञान
ऋण हिनका सँ बुधिक लेब
आ बदला मे कहू की देब

ऋचा

ऋचा

ऋण

ऋण

ऋषभ

साँड़

ऋ ऋ ऋ

ए

एगारह

ग्यारह

एक पर एक एगारह बनाउ
‘ए’ सँ एकैस, एकहत्तर बाउ

11

एड़ी

एड़ी

पएर

पैर

माए

माँ

ए ए ए

ऐ

ऐहब

विवाहित महिला

खूब सजल छथि ऐहब दाइ
चौकी पर ओ फाँकथि लाइ
जेती हटिया कहलनि आइ
खरचा करती बहुते पाइ

ऐला

मस्सा

ऐरावत

ऐरावत

ऐंठ

जूठन

ऐ ऐ ऐ

ओ

ओकील

वकील

ओकीलक की होइ छै ठाठ
खूब कमाबए बनि कए लाट
लगबै पार बुद्धि सँ घाट
तर्क प्रमाण ओकर छै बाट

ओधि

बाँस की जड़

ओल

जिमीकंद

ओसारा

बरामदा

ओ ओ ओ

औ

औरा

आँवला

औरा, अचार, मोरब्बा खाइ
औखद खाइ नियम सँ भाइ

औखद

दवा

औंठा

अंगूठा

औन्ही

पैरों की अंगूठी

औ औ औ

अं

अंगूर

अंगूर

बहुत ऊँच मे छै अंगूर
जकरा तोड़ि खेलक लंगूर

शंख

शंख

कंकर

कंकड़

अंक

अंक

अं

अं

अं

अः

क्रमशः

क्रमशः

अः कहू जँ करब मना
एहि मे ने लागय एको अना

प + ए + र = पएर

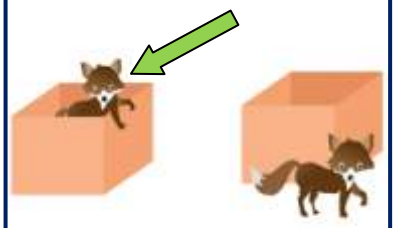

अक्षरशः	प्रातःकाल	अंतः
अक्षरशः	प्रातःकाल	भीतर

अः अः अः

क

ककबा

कंघी

ककबासँ थकरु अहाँ केश
सीटि-साटि सजबू अहाँ वेश
कंगन हाथ पहिरि झमकाउ
करिया चश्मा आंखि चढ़ाउ

कटहर

कटहल

बकरी

बकरी

चाक

चाक

क क क

ख

खटिया

चारपाई

खटिया पर बैसल छथि बाबा
पहिर खड़ाम, बंटै छथि लाबा

खड़ाम

खड़ाऊँ

खखोरी

खुरचन

ताखा

ताख

ख ख ख

ग

गरदा

धूल

गरदा-धूरामे लेपटायल
अयलहुँ कोन देशसे बाउ
शैंपू साबुन मलि मलि बउआ
खूब पानिसँ अहाँ नहाउ

गरदामी

गले की रस्सी

बगड़ा

गौरैया

पाग

पाग

ग ग ग

घ

घघरी

घाघरा

बुच्ची कैँ शोभै छै घघरी
घड़ी हाथ मे माथा पगड़ी
मेला देखय जेतए एबरी
जे देखतै से कहतै सुनरी

घड़ी

घड़ी

घोँघरी

घोंघा

बाघ

बाघ

घ घ घ

ङ

कंङ्गन

कंगन

कङ्गन हाथक अछि शृंगार
गड़ामे पहिरी सुन्नर हार

जङ्गी

योद्धा

चाङुर

पंजा

माङुर

मांगुर

ङ ङ ङ

च

चकला

चकला

चकला पर चिक्कनसँ बेलू
चिक्कस सँ नै होली खेलू

चरखा

चरखा

इचना

झींगा मछली

आँच

आँच

च च च

छ

छत्ता

छाता

एना रौदमे नै बौआउ
छाहरि पाबि अहाँ सुस्ताउ
छत्ता ल’ क’ छत पर जाउ
रौद-पानिसँ देह बचाउ

छहरदेबाली

चहारदीवारी

मछहट्टा

मछली बाजार

गाछ

पेड़

छ छ छ

ज

जङ्गला

खिड़की

जङ्गला बाटे रौद अबै छै
तेज इजोत सेहो पसरै छै
फुजल रहै त' पानिक झटका
चीज-वस्तु सभ किछु भिजबै छै

जटा

जटा

कजरौटी

काजलदानी

ताज

मुकुट

ज ज ज

झ

झालि

झाल

झुनझुन्ना आ झालि बजाउ
गीत एकटा अहाँ सुनाउ
झिझिया, झरनी, झूला गाउ
झट इनाम मे चोकलेट पाउ

झट्टा

पुआल का बंडल

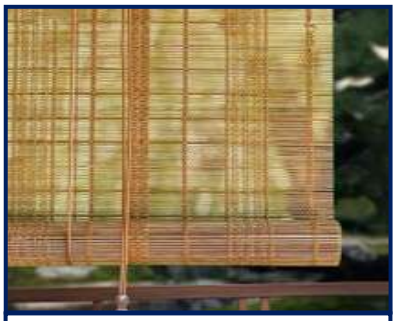

झिझरी

चिलमन

झांझ

छन्नी

झ झ झ

अ

कनिञा

दुल्हन

नबकी कनिञा अयली घर
खूब पसिन्न छनि हुनका वर
कनिञा अयने घर गुलजार
अनलनि संगे साँठल भार

मैञा

वृद्ध महिला

घुरञ्ची

सीढ़ी

मञ्च

मंच

अ अ अ

ट

टका

रुपये

टमटम पर जँ चढ़बै भाइ
दसटकही तँ लागत आइ
टका अहाँ नहि देबै तँ
पएरे बाट धेने चलि जाइ

टकुरी

तकली

टमटम

तांगा

बाट

रास्ता

ट ट ट

ठ

ठनका

वज्रपात

बरखामे ठनका ठनकै छै
सदिखन मेघ बुन्न झहरै
थाल कीचसँ भरल बजार
करै किसानक ऋतु उपकार

ठकुआ

मीठा पकवान

गेठरी

गठरी

काठ

काठ/लकड़ी

ठ ठ ठ

ड

डरकस

कमरबंद

डरकस कहबै डाँरक गहना
हाथमे शोभै सुंदर कंगना
आबै छथि कनियाँ जँ अंगना
छमछम पायल बाजै बहिना

डगरा

डगरा

पांडब

पांडव

काड

कार्ड

ड ड ड

ढ

ढाकन

ढक्कन

बउआ बुझियौ ढाकन की
बर्तन-बासन झाँपै ई
माटिक बर्तन माटिक ढाकन
धातुक बासन धातुक ढाकन

ढकिया

छोटी टोकरी

ढोल

ढोलक

ढाकी

टोकरी

ढ ढ ढ

ण

कोण

कोण

एहि कोण वा ओहि कोण
कहू ने जेबै कोन कोण
जाएल करू नै सान्हि-कोण
साँप ओतय छै राखब मोन

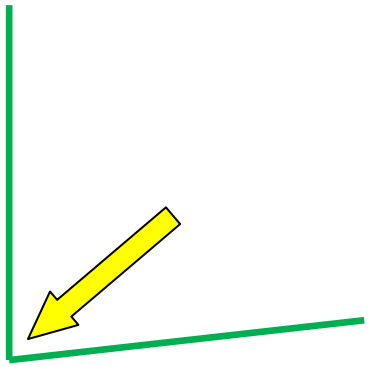

चरण

चरण

1 + 1 = 2

गणित

गणित

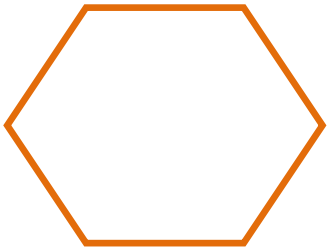

षटकोण

षटकोण

ण ण ण

त

तसमै

खीर

दाँत साफ दतमनि सँ करब
तखन पात पर तसमै परसब

तमघैल

तांबे का घड़ा

दतमनि

दातून

पात

पत्ता

त त त

थ

थन

थन

गाएक थनसँ दूध बहैए
थरमसमे ओ गरम रहैए

थरमस

थरमस

पाथर

पत्थर

माथ

माथा

थ थ थ

द

दमकल

पंपसेट

दमकल सँ जल पटबथि कक्का
भूमिक प्यास मेटाबथि पक्का
पानि बिना नहि जरत जजाति
विज्ञानक वर थिक बहु भांति

दरजी

दर्जी

फुदना

फुदना

आद

अदरक

द द द

ध

धरनि

बीम

धरनि बलें लटकल छप्पर
धरनि पर छै अटकल छप्पर
टुटिते धरनि घुसकल छप्पर
एके मिनट मे भसकल छप्पर

धनुख

धनुष

धँधरा

आग की लपटें

मउध

शहद

ध ध ध

न

नढ़िआ

सियार

हुआं हुआं क’ नढ़िया एलै
बुच्ची दाइ कैँ डर भ’ गेलै
झट सँ बुच्ची घर पड़ेलै
सीरक तर में दाइ नुकेलै

नथिया

नथ

बानर

बंदर

नोन

नमक

न न न

प

पड़ोर

परवल

सुअदगर बहुत पड़ोरक झोर
भुजिया, भरुआ सेहो ने थोड़

पजेबा

ईंट

छिपली

तश्तरी

साँप

साँप

प प प

फ

फटक्का

पटाखा

दीवालीमे फुटय फटक्का
क्रिसमसमे से लगबै छक्का
खूब अवाज, रोशनी भारी
फटफट फटफट फुटय फटक्का

फुक्का

गुब्बारा

फटफटिया

मोटरसाइकिल

सोंफ

सौंफ

फ फ फ

ब

बरद

बैल

बरदक संग रहै छै ह’र
खेत जोतै छै चारू भर
गाड़ी घिचने जाए बजार
आनै अन्न किसानक घर

बगैचा

बाग

कबछुआ

कबछुआ

डिबिया

ढिबरी

ब ब ब

भ

भगजोगनी

जुगनू

भगजोगनी छै छोटका जीव
टिमटिम मुदा करै बड़ दीव
बड़ अन्हारमे ओहो काजक
मुदा इजोते भेल अपाटक

भुसकार

भूसाघर

भालू

भालू

डाभ

कच्चा नारियल

भ भ भ

म

मधुमाछी

मधुमक्खी

मधुमाछी केर छत्ता छै बड़का
खेबै चटबै मउध हम टटका

मटकूरि

मटकी

गमला

परात

लगाम

लगाम

म म म

य

यज्ञ

यज्ञ

यज्ञ करै नित दिन छथि योगी
संग योग्य नहि हुनकर भोगी

बियनि

हाथ का पंखा

पियाज

प्याज

मचिया

मचिया

य य य

र

रथ

रथ

रथ घिचै छै घोड़ा चारि
ककरो मे नै कोनो अरारि
बैसल रथ पर सुन्नरि नारि
कोनो देशक राजकुमारी

रन्दा

रन्दा

मुरही

मुरमुरा

घर

घर

र र र

ल

लहठी

लाह की चूड़ी

लहठी लाहक वलयक नाम
मुदा ने बहुते होइछ दाम
सस्ता सुंदर गहना लहठी
चमचम चमचम चमकै लहठी

लोटा

लोटा

लालटेम

लालटेन

करैल

करेला

ल ल ल

व

वसन

कपड़ा

वसन पहिरि कए उज्जर बाबा
ओ बजारसँ अनथिन लाबा

वेद

वेद

वन

जंगल

यव

जौ

व व व

श

शंख

शंख

शंख समुद्रक थिक उपहार
शंख फूकि पूजा आचार
छोट पैघ शंखक आकार
कीनू सजबू घर आ द्वार

शरीफा

शरीफा

शिशु

बच्चा

शमी

शमी

श श श

ष

षटकोण

षटकोण

षटकोणक छै आकृति एक
छौ टा कोण सँ मिलबू रेख
गणितक आकृति थिकै विशेष
सभ बूझै छै देश विदेश

षडानन

षडानन

षट्पद

भ्रमर

भाषा

भाषा

ष ष ष

स

सलाइ

माचिस

सलाइ खड़रने निकलै आगि
पाकि जेबैं रौ, जो तों भागि
लाइटर ओकरे अभिनव रूप
खोज ई विज्ञानक अपरूप

सजमनि

लौकी

मसहरी

मच्छरदानी

अकास

आकाश

स स स

ह

हरदि

हल्दी

पीयर हरदि बहुत गुणकारी
बिनु हरदिक ने होइ तरकारी
दूध-हरदि कण्ठक उपचार
लेप लगा चोटक उपचार

ह’र

हल

गहना

गहना

नाह

नाव

ह ह ह

क्ष

क्षत्रिय

क्षत्रिय

क्षत्रिय पहिने युद्ध करै छल
जीति युद्ध क्षत्रप कहबै छल
क्षिति भरि ओक्कर छल राज
क्षेम क्षमा क्षमता छल ताज

क्षिति

पृथ्वी

शिक्षक

शिक्षक

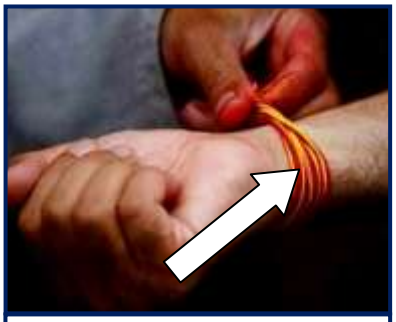

रक्षासूत्र

कलावा

क्ष क्ष क्ष

त्र

त्रिशूल

त्रिशूल

शिव जी हाथ 'त्र' सँ त्रिशूल
बौआ लागए अड़हुल फूल

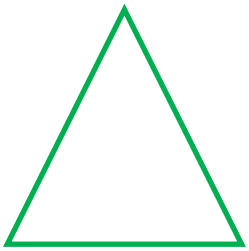

त्रिभुज	पत्रकार	यंत्र
त्रिभुज	पत्रकार	यंत्र

त्र त्र त्र

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञानी

ज्ञानी लग मे सभटा ज्ञान
गणित, मैथिली वा विज्ञान

ज्ञान	विज्ञान	यज्ञ
ज्ञान	विज्ञान	यज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ

स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
अ	◌	कमल	
आ	◌ा	माला	
इ	◌ि	गिलास	
ई	◌ी	बाटी	
उ	◌ु	कुकुर	

स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
ऊ	◌ू	चूरा	
ए	◌े	गेन	
ऐ	◌ै	घैल	
ओ	◌ो	सोहारी	
औ	◌ौ	पौती	

संख्या (गिनती करु) :		
1	एक	
2	दू	
3	तीन	
4	चारि	
5	पाँच	
6	छओ/छह	
7	सात	
8	आठ	
9	नओ/नौ	
10	दस	

11	एगारह	
12	बारह	
13	तेरह	
14	चौदह	
15	पंद्रह	
16	सोलह	
17	सतरह	
18	अठारह	
19	उनैस	
20	बीस	

निम्न अक्षर लिखबाक प्रयास करू :				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SUMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (43)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BALTI	89	HINDI	98	LAI (PAWI)	106	NANCOWRY	114	SANSKRIT
81	BENGALI	90	KANDHA (KHOND)	99	MAITHILI	107	NICOBARESE-CAR	115	SANTALI (JHARKHAND)
82	BHILI	91	KANNADA	100	MALAYALAM	108	ODIA	116	SINDHI
83	BISHNUPRIYA MANIPURI	92	KASHMIRI	101	MALTO	109	PAITE	117	TELUGU
84	CHOKRI	93	KHASI	102	MARATHI	110	PARJI (DURUA)	118	THADOU-KUKI
85	DOGRI	94	KOKBOROK (TRIPURI)	103	MARING	111	PHOM	119	URDU
86	GANGTE	95	KONKANI	104	MONPA	112	PUNJABI	120	VAIPHEI
87	GONDI-TELUGU	96	KORWA	105	MUNDA	113	SANGTAM	121	ZEME (ZEMI)
88	GUJARATI	97	LAHAULI					122	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in